अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सत्र 2020—22 की राष्ट्रीय स्थायी समिति की प्रथम बैठक का कार्यवृत

25 जुलाई 2021 (रविवार); माध्यम : वीडियो कांफ्रेंस

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक 25 जुलाई 2021 को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के सभापतित्व में आयोजित की गई। बैठक में निम्नलिखित उपस्थित थे:

श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया	डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया	श्री भानीराम सुरेका
श्री पवन कुमार गोयनका	श्री अशोक जालान	डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका
श्री विजय कुमार लोहिया	श्री संजय कुमार हरलालका	श्री सुदेश अग्रवाल
श्री बसंत कुमार मित्तल	श्री दामोदर बिदावतका	श्री आत्माराम सोन्थलिया
श्री प्रह्लाद राय गोयनका	श्री नंदलाल सिंघानिया	श्री शिव कुमार लोहिया
श्री ओमप्रकाश अग्रवाल	श्री पवन जालान	श्री अमित मूँधड़ा
श्री सुरेश अग्रवाल	श्री प्रमोद गोयनका	श्री अरुण प्रकाश मल्लावत
श्री विनोद जैन	श्री पवन बंसल	श्री अनिल अग्रवाल
श्री रंजीत डालमिया	श्री राजेश पोद्दार	श्री बिनोद बियाणी
श्री काशी प्रसाद धेलिया		

निम्नलिखित ने अनुपस्थिति की सूचना दी:

श्री पवन कुमार सुरेका	श्री गोपाल अग्रवाल	

बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने सर्वप्रथम सबका स्वागत किया और कहा कि यह सुखद संयोग है कि आज पवित्र श्रावण मास का प्रथम दिवस है। उन्होंने कहा कि कोरोनाजनित कारणों से जीवन के हर क्षेत्र में बदलाव आया है, परिस्थितियाँ अनुकूल नहीं हैं; तथापि हमें सम्मेलन के गतिविधियों की गति यथासम्भव बनाये रखनी है। उन्होंने कहा कि आज सम्पूर्ण विश्व कोरोना महामारी के चपेट में है और जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इन प्रतिकूल परिस्थितियों में कोरोना–पीड़ितों की सेवा हेतु मिल–जुलकर यथासम्भव योगदान करना समय की मांग है और हमारा नैतिक दायित्व भी। समाज और राष्ट्र की सेवा में समर्पण मारवाड़ी समाज की परम्परा रही है और प्रसन्नता की बात है कि पूरे देश में सम्मेलन की शाखायें आज तन –मन–धन से संसाधनहीन लोगों की सेवा में लगी हुई हैं।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय कुमार हरलालका ने गत बैठक (04 जुलाई 2020; राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के साथ संयुक्त रूप से आयोजित) की कार्यवाही प्रस्तुत की जो सर्वसम्मति से पारित हुई। गत बैठक के बाद की सम्मेलन की गतिविधियों पर 'महामंत्री की रपट' प्रस्तुत करते हुए श्री हरलालका ने बताया कि वर्तमान समय में सम्मेलन के कार्यकलाप मुख्यत:

कोरोना–राहत सेवाकार्यों पर केन्द्रित हैं। उन्होंने इन सेवाकार्यों का संक्षिप्त विवरण भी प्रस्तुत किया।

बैठक को सम्बोधित करते हुए सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उच्च शिक्षा उपसमिति के चेयरमैन डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया ने संसाधनहीन और मेधावी छात्र–छात्राओं की उच्च शिक्षा हेतु सम्मेलन द्वारा दिए जा रहे अनुदानों का संक्षिप्त विवरण दिया। उन्होंने कहा कि उद्योग–व्यापार, खासकर छोटे व्यापारियों, की स्थिति अभी चिंतनीय है और सभी को सम्हलकर चलना चाहिए।

वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोन्थलिया ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2020—21 के आय–व्यय का लेखा–जोखा, संतुलन पत्र, आदि, लगभग तैयार हैं और इनके फाइनल होते ही वार्षिक साधारण सभा के आयोजन हेतु आवश्यक कदम उठाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि हर्ष का विषय है कि संयुक्त राष्ट्रीय महामंत्री श्री गोपाल अग्रवाल और कोषाध्यक्ष श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका के सक्रिय प्रयासों से दीर्घकाल से लम्बित आयकर का रिफंड प्राप्त हुआ है। उपस्थित सदस्यों ने करतल–ध्वनि ने इन्हें धन्यवाद दिया।

संस्कार–संस्कृति चेतना उपसमिति के चेयरमैन श्री प्रह्लाद राय गोयनका ने कहा कि अपनी भाषा तथा संस्कार–संस्कृति के सम्बंध में अपनी भावी पीढ़ी को जागरूक रखने की आवश्यकता है। इस हेतु समय–समय पर प्रासंगिक सामाजिक–सांस्कृतिक विषयों पर कार्यक्रम आयोजित करने की उपसमिति की योजना है। उन्होंने बताया कि आगामी हरियाली तीज के अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम से हम इस योजना की शुरूआत करेंगे। कुछ सम्बंधित पुस्तकों के प्रकाशन का भी विचार है ताकि हम राजस्थानी भाषा को विद्यालयों तक ले जा सकें।

विधि–न्यायिक उपसमिति के चेयरमैन एडवोकेट श्री नंदलाल सिंघानिया ने पारिवारिक–आपसी विवादों का सामाजिक स्तर पर ही समाधान कर लेने की महत्ता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जहाँ तक हो सके, हमें न्यायालयों और कानूनी झगड़ों से बचना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि प्रांतीय स्तर पर भी इस प्रकार की समितियों–पंचायतों का गठन किया जाए।

सेमिनार एवं समाज विकास उपसमितियों के चेयरमैन श्री शिव कुमार लोहिया ने कहा कि कोरोना महामारी के आलोक में गत लगभग डेढ़ साल में कई प्रासंगिक और ज्ञानप्रद गोष्ठियाँ जूम ऐप के माध्यम से आयोजित की गई हैं और प्रयास रहेगा कि आगे भी ऐसी गोष्ठियाँ आयोजित की जायें जिनसे समाजबंधु लाभान्वित होते रहें। समाज विकास के विषय में बताते हुए उन्होंने कहा कि कोरोनाजनित कारणों से गत कुछ महीनों से समाज विकास का प्रकाशन समयानुसार नहीं हो सका है। श्री लोहिया ने कहा कि सभी लम्बित अंकों के शीघ्र प्रकाशन हेतु तत्परता से प्रयास किया जा रहा है और आशा है कि शीघ्र ही इसे नियमित कर लेंगे।

निर्देशिका (डायरेक्ट्री) उपसमिति के चेयरमैन श्री ओमप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि शीघ्र ही वर्तमान सत्र की निर्देशिका के प्रकाशन हेतु कार्य प्रारम्भ किया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन

प्रसाद गाड़ोदिया ने सलाह दी कि शुद्धता, विशेषकर दिवंगत समाजबंधुओं का नाम निर्देशिका से हटाने, पर ध्यान रखा जाए।

स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन श्री पवन जालान ने बताया कि वर्तमान परिस्थितियों के आलोक में मुख्यत: टीकाकरण के क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है। एस.वी.एस. अस्पताल, अम्हर्स्ट स्ट्रीट, कोलकाता के सहयोग से प्रतिदिन दो घंटों तक टीकाकरण एक माह तक किया गया, अच्छी संख्या में समाजबंधुओं ने इसका लाभ उठाया। कोरोना से सम्बंधिक ज्ञानवर्धक गोष्ठियों के आयोजन के लिए उन्होंने सेमिनार उपसमिति के चेयरमैन श्री शिव कुमार लोहिया का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंग सरकार की स्वास्थ्य साथी योजना का लाभ उठाने के लिए काउंटर और सदस्यों के लिए हेल्थ–कार्ड बनाने के विषय में भी विचार चल रहा है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्षों सर्वश्री अशोक जालान, डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका एवं विजय कुमार लोहिया ने अपने प्रभार के प्रांतों में किए जा रहे सेवाकार्यों के विषय में बताया। सर्वश्री अमित मूंधड़ा, सुरेश अग्रवाल एवं प्रमोद गोयनका ने भी अपने संक्षिप्त विचार रखे।

धन्यवाद–ज्ञापन करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने कहा कि सम्मेलन के क्रियाकलापों में उपसमितियों की बड़ी भूमिका है। उन्होंने वर्तमान परिस्थितियों के आलोक में कोरोना–टीकाकरण एवं सम्बंधित चिकित्सा–सहायता के महत्व पर बल दिया।

धन्यवाद–ज्ञापन के बाद सभा सम्पन्न हुई।

(गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया)
राष्ट्रीय अध्यक्ष

(संजय कुमार हरलालका)
राष्ट्रीय महामंत्री